गुरू नानक की शिक्षाओं की प्रासंगिकता

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के प्रांगण में गुरू नानक देव की 550 वीं जयन्ती समारोह मनाने की कड़ी में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 15 प्रतिभागियों ने "गुरु नानक : अनुकरणीय व्यक्तित्व" और "वर्तमान में गुरु नानक के आदेशों की प्रासंगिकता" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी प्रतिभागियों ने गुरु नानक के जीवन के अनेक रोचक प्रसंगों के माध्यम से उनकी शिक्षाओं व उपदेशों तथा सिद्धान्तों की जानकारी दी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने उद्‌बोधन में बताया कि गुरु नानक समन्वयवादी सन्त फकीर थे, आज के द्वेषपूर्ण वातावरण में उनके सिद्धान्त समरसता का प्रसार करने में निश्चित ही लाभदायक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरु नानक की शिक्षाओं व उपदेशों को अपने जीवन में अम्ल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती किरण आनन्द और डॉ. पूजा सैनी ने किया।